A-352

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MASL–507

भारतीय दर्शन भाग–02

MA SANSKRIT (MASL)

2nd Semester Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. जैन दर्शन के अनुसार स्यादवाद की महत्ता पर प्रकाश डालिए।
2. जैन दर्शन के अनुसार नये सिद्धांत को सोदाहरण समझाइए।
3. चार्वाक के प्रमाण विषयक चिंतन पर एक निबंध लिखिए।

4. न्याय दर्शन के इतिहास पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

5. लौकिक प्रत्यक्ष कितने प्रकार का होता है ? विस्तार से उल्लेख कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. जैन आचार्य मीमांसा के वैशिष्ट्य पर एक निबंध लिखिए।

2. चार्वाक दर्शन के काम विषयक अवधारणा पर एक निबंध लिखिए।

3. न्याय दर्शन के अनुसार प्रमाण की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

4. सविकल्पक प्रत्यक्ष क्या होता है ? विस्तृत व्याख्या कीजिए।

5. न्याय दर्शन के अनुसार सोलह पदार्थों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

6. व्याप्ति किसे कहते हैं ? विस्तार से उल्लेख कीजिए।

7. चार्वाक दर्शन के विभिन्न नाम एवं उनके अर्थों को स्पष्ट कीजिए।

8. प्रमाण चतुष्टय का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

****